

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 1st Semester Examination, 2023 (CCFUP)

Subject : Sanskrit
Course: SANS1051 (SEC)

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the right hand margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चानां प्रश्नानामुत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10
- (a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरूपयत।
वणिजः, सम्राजि, चन्द्रमसे, मासः
- (b) निम्नलिखितेषु पदेषु द्वयोः पदयोः चतुर्थीविभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखत :
देव, कवि, मातु, नदी
- (c) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयोः पुरुषं वचनं च निर्दिशत :
कुरु, गच्छेयुः, अभवन्, सेवे
- (d) निम्नलिखितेषु द्वयोः लृट्-लकारस्य प्रथमपुरुषस्य बहुवचने रूपं लेखनीयम् :
दृश्, पठ्, लभ्, पच्
- (e) कः “लघुसिद्धान्तकौमुदी” इति ग्रन्थस्य प्रणेता?
- (f) “तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य” – अस्य सूत्रस्यार्थः लघुसिद्धान्तकौमुदीग्रन्थे यदुक्तं तद् लिख्यताम्।
- (g) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य व्युत्पत्तिं निरूपयत :
लक्ष्मीवान्, पठितव्यम्, शिष्यः, दाशरथिः
- (h) निम्नलिखितेषु द्वयोः परिनिष्ठितं रूपं लिखत :
कृ + ण्यत्, पच् + क्, पा-सन् + लट्-तिप्, प्र-वस् + ल्यप्
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।
- (a) নিম্নলিখিত পদগুলির ব্যবহৃত সরলেন সংস্কৃতেন বাক্যানি রচয়ত।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোনো পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় বাক্যগঠন করো।
দেবায়, মুনী, সভায়াম্, মহ্যম্, পঠতু, দদাতি, জানন্তি, সেবতাম্
দেবায়, মুনী, সভায়াম্, মহ্যম্, পঠতু, দদাতি, জানন্তি, সেবতাম্

- (b) सुद्धयुपास्यः - इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।
‘सुद्धुपास्यः’- এই সূত্রের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সসূত্র প্রতিপাদন করো।
- (c) सच्चरितम् - इति प्रयोगस्य सिद्धिप्रक्रियां ससूत्रं प्रतिपादयत।
‘सच्चरितम्’ - এই প্রয়োগের সিদ্ধিপ্রক্রিয়া সসূত্র প্রতিপাদন করো।
- (d) सोदाहरणम् ‘क्त्वाच्’ ‘ल्यप्’ चैतयोः प्रत्यययोर्मध्ये भेदान् आलोचय।
উদাহরণ সহযোগে ‘क्त्वाच्’ এবং ‘ल्यप्’ प्रत्ययের মধ্যে ভেদসমূহ আলোচনা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम् :

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

- (a) ‘इको यणचि’ ‘स्थानेऽन्तरतमः’ चेत्यनयोः द्वयोः सूत्रयोः व्याख्यानं करणीयम्।
‘ইকো যণচি’, ‘স্থানেঃস্তরতমঃ’ - এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা লেখো।
- (b) ‘स्तोः श्चुना श्चुः’ ‘झलां जशोऽन्ते’ चेत्यनयोः द्वयोः सूत्रयोः व्याख्यानं क्रियताम्।
‘স্তোঃ শ্চুনা শ্চুঃ’ এবং ‘झलां जशोऽन्ते’ - এই দুটি সূত্রের ব্যাখ্যা লেখো।
- (c) संस्कृत-व्याकरणे केषु अर्थेषु ‘सन्’ ‘यङ्’ चेत्यनयोः द्वयोः प्रत्यययोः प्रयोगः परिलक्ष्यते? दृष्टान्तयोगेन तदालोच्यताम्।
সংস্কৃত ব্যাকরণে ‘সন্’ এবং ‘যঙ্’ এই দুটি প্রত্যয়ের প্রয়োগ কোন্ কোন্ অর্থে হয়?
- (d) कस्यचिदेकस्य धातोः पञ्चानां लकाराणां रूपाणि लिखत — दृश्, स्था।
যেকোনো একটি ধাতুর পাঁচটি লকারের রূপ লেখো — दृश्, स्था।